एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 05, अंक: 05 (सितम्बर-अक्टूबर, 2025)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

भिंडी: खेती, वैश्विक निर्यात और कटाई-उपरांत प्रबंधन का समग्र अवलोकन

*सिमरन चौधरी एवं ईशा वर्मा
पीएचडी शोधार्थी, सब्जी विज्ञान, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर, मध्य प्रदेश
*संवादी लेखक का ईमेल पता: simranghoslya@gmail.com

भिंडी (Okra/ Lady's Finger) भारत की प्रमुख ग्रीष्मकालीन एवं बरसाती सब्ज़ी है। इसे "औषधीय सब्ज़ी" भी कहा जाता है क्योंकि इसमें प्रचुर मात्रा में रेशा, खनिज, विटामिन C, कैल्शियम एवं एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। यह न केवल घरेलू स्तर पर बल्कि निर्यात के लिहाज से भी महत्वपूर्ण फसल है।

खेती (Cultivation of Okra)

(क) उपयुक्त जलवायु एवं भूमि

- भिंडी गर्म और आर्द्र जलवायु में अच्छी पैदावार देती है।
- इसका आदर्श तापमान 25–35°C है।
- हल्की दोमट, जल निकास वाली भूमि सर्वोत्तम मानी जाती है।

(ख) बीज एवं बुवाई

- खरीफ भिंडी: जून-जुलाई में बोई जाती है।
- ग्रीष्मकालीन भिंडी: फरवरी-मार्च में बोना लाभकारी।
- बीज दर: 8-10 किग्रा प्रति हेक्टेयर।
- कतार से कतार दूरी 45-60 से.मी. और पौधे से पौधे की दूरी 20-30 से.मी. रखें।
- बीज बोने से पहले 24 घंटे पानी में भिगोना अंकुरण के लिए लाभकारी है।

(ग) खाद एवं उर्वरक

- गोबर की सड़ी खाद 15-20 टन/हेक्टेयर दें।
- NPK उर्वरक: 100:60:60 किग्रा/हेक्टेयर।
- नत्रजन को दो भागों में डालें: आधा बुवाई के समय और शेष फल लगने पर।

(घ) सिंचाई

- ग्रीष्मकाल में 7-10 दिन के अंतराल पर तथा वर्षा ऋतु में आवश्यकता अनुसार सिंचाई करें।

(ङ) कीट एवं रोग प्रबंधन

- फल छेदक इल्ली और मकड़ी प्रमुख कीट हैं। नीम तेल (5%) का छिड़काव करें।
- पीला मोज़ेक वायरस सफेद मक्खी से फैलता है, इसलिए सफेद मक्खी का नियंत्रण जरूरी है।

वैश्विक निर्यात (Global Export of Okra)

- भारत विश्व का सबसे बड़ा भिंडी उत्पादक देश है, जो कुल उत्पादन का लगभग 60% योगदान करता है।
- मुख्य निर्यातक देश: भारत, मैक्सिको, वियतनाम, थाईलैंड और तुर्की।
- आयातक देश: यूएई, सऊदी अरब, कतर, कुवैत, यूरोप (विशेषकर यूके), अमेरिका और कनाडा।

- भारत से निर्यात की जाने वाली भिंडी मुख्य रूप से मध्य-पूर्व एशियाई देशों में भेजी जाती है क्योंकि वहाँ बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी रहते हैं।
- 2024 में भारत से भिंडी का निर्यात लगभग 55-60 हजार मीट्रिक टन दर्ज किया गया।
- ताज़गी और गुणवत्ता भिंडी के निर्यात का सबसे बड़ा मानदंड है।

कटाई-उपरांत प्रबंधन (Post-Harvest Management of Okra)

(क) कटाई (Harvesting)

- बीज बुवाई के 45-50 दिन बाद फल तोड़ना शुरू हो जाता है।
- 2-3 दिन के अंतराल पर कोमल एवं कोमल हरे फलों की तुड़ाई करें।

(ख) ग्रेडिंग एवं पैकिंग

- फलों को आकार और कोमलता के आधार पर ग्रेड करें।
- 2-3 किलोग्राम क्षमता वाले पॉलीबैग या छिद्रित क्रेट्स में पैक करें।
- निर्यात हेतु फलों का आकार 7-10 से.मी., चमकदार हरा और बिना धब्बों वाला होना चाहिए।

(ग) भंडारण (Storage)

- भिंडी का शेल्फ लाइफ बहुत कम होता है (2-3 दिन सामान्य तापमान पर)।
- 8-10°C तापमान और 90-95% आर्द्रता पर इसे 7-10 दिन तक सुरक्षित रखा जा सकता है।
- कोल्ड-चेन प्रणाली निर्यात के लिए आवश्यक है।

(घ) प्रसंस्करण (Processing)

- फ्रोजन (जमी हुई) भिंडी की भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अच्छी मांग है।
- IQF (Individual Quick Freezing) तकनीक से भिंडी को लंबे समय तक संरक्षित किया जाता है।

निष्कर्ष

भिंडी भारत की एक महत्वपूर्ण नगदी सब्ज़ी है जिसकी खेती किसान साल भर कर सकते हैं। वैश्विक स्तर पर इसकी अच्छी मांग है, विशेषकर ताज़ा एवं फ्रोज़न रूप में। कटाई-उपरांत प्रबंधन, कोल्ड स्टोरेज और अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों का पालन करके किसान एवं निर्यातक अधिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं।